an>

Title: Need to withdraw C-SAT system from UPSC examinations.

श्री धर्मेन्द्र यादव : अध्यक्ष महोदया, 16 तारीख को इसी माननीय सदन के अंदर माननीय मंत्री जी, श्री जितेन्द्र जी ने एक बयान दिया था और उसमें उन्होंने कहा था कि आपके माध्यम से मैं सदन के माननीय सदस्यों को विश्वास दिलाता हूं कि यूपीएससी सिविल परीक्षा को लेकर सरकार विद्यार्थियों के प्रति पूरी तरह से चिंतित है और उस चिंता के बाद उन्होंने कहा था कि हम भाषा या किसी विद्यार्थी के साथ पक्षपात नहीं होने देंगे। अध्यक्ष जी, माननीय मंत्री जी के इस बयान के बाद जो आंदोलनकारी थे, जो छात्र आमरण अनशन पर थे, उन्होंने अपना आंदोलन वापस ले लिया था। उसके बाद इन्होंने यह भी कहा था कि यूपीएससी से बात कर के हम सी-सैट की प्रणाली को विदड्रॉ कराएंगे। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : यह किसी को कुछ नहीं मालूम है।

â€¦(व्यवधान)

श्री धर्मेन्द्र यादव : अध्यक्ष जी, मंत्री जी के आश्वासन के बाद ये छात्र सहमत थे। लेकिन उसके बाद यूपीएससी और सरकार ने अपना स्टैंड बदल दिया। जिसके कारण छात्रों में आक्रोश है और आक्रोश के कारण छात्र आंदोलनरत हैं। अध्यक्ष जी, कल हमारे एक माननीय सदस्य भी मौजूद थे। कल बत्रा पर भी नौजवानों की पिटाई हुई। मुखर्जी नगर में भी पिटाई हुई। आज संसद भवन के सामने भी पिटाई हो रही है। अध्यक्ष जी जहां एक ओर हमारे माननीय प्रधान मंत्री जी देश के अंदर हिंदी सहित सभी भारतीय भाषाओं के सम्मान को बढ़ाने की बात कही थी। हमारे नेता आदरणीय नेताजी ने इसी सदन में उनका स्वागत किया था। वहीं दूसरी ओर इस सरकार की नीयत हिंदी और भारतीय भाषाओं की ओर क्या है, इसके बारे में हम स्पष्ट जानना चाहते हैं। अध्यक्ष जी, आपसे भी हमने प्रार्थना की थी। आपने आश्वासन दिया था कि हम चर्चा का मौका देंगे। अध्यक्ष जी, हम चाहते हैं कि उस चर्चा का मौका दीजिए। हमारा नोटिस ध्यानाकर्षण में भी है, नियम-193 के तहत भी है। अध्यक्ष जी, चर्चा का मौका दीजिए। छात्रों के ऊपर बाहर लाठीचार्ज हो रहा है, अत्याचार हो रहा है, अन्याय हो रहा है, अपमान हो रहा है। हिंदी मानने वालों का, भारतीय भाषाओं को मानने वालों का अपमान हो रहा है। अध्यक्ष जी, अगर आप भी संरक्षण नहीं देंगे तो आप ही बता दीजिए कि देश के ये लोग कहां जाएंगे। ऐसे करोड़ों-करोड़ों लोग जो हिंदी और भारतीय भाषाओं को श्रद्धा से देखते हैं, यदि उनके साथ आप न्याय नहीं करेंगे तो कौन न्याय करेगा। अध्यक्ष जी, हम आपका संरक्षण चाहते हैं और पूरा देश आपकी ओर उम्मीद भरी निगाहों से देख रहा है। अध्यक्ष जी, अगर कहीं चूक गए तो इतिहास हम सब में से किसी को माफ नहीं करेगा, जिस तरह की स्थिति देश के सामने आज खड़ी हुई है। ...(व्यवधान)

श्री राजेश रंजन : अध्यक्ष जी, एक मिनिट में मैं अपनी बात कहना चाहता हूँ। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप एसोसिएट कर सकते हैं।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैंने कहा है कि आप एसोसिएट कर सकते हैं। आपका नाम आ गया है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : एक ही मुद्दा बार-बार नहीं उठाया जाता है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप गारंटी दे रहे हैं कि एक मिनिट में अपनी बात समाप्त करेंगे।

â€¦(व्यवधान)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE (GULBARGA): Madam, why I am requesting because 5-10 मिनिट गड़बड़ होने के बजाय, वे अपने विचार दो मिनिट में रखेंगे। उनको मौका दीजिए। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : इन सबको मौका देना पड़ेगा। इनका कोई नोटिस नहीं है।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : जिन्होंने मुद्दा उठाया है, उनको तो मौका दीजिए। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, एक मिनिट। मैं आज हाउस को यही निवेदन करने वाली थी कि बिना नोटिस के बार-बार बात नहीं होती है। धर्मेंद्र जी द्वारा नोटिस दिया हुआ था कि क्वेश्चन ऑवर को सस्पेंड किया जाए। मैंने उनको कहा था कि क्वेश्चन ऑवर सस्पेंड नहीं होगा क्योंकि नियम के अनुसार ऐसा नहीं होता है। मैं आपको बोलने का मौका दे दूंगी। किसी का कोई नोटिस नहीं है, कोई भी उठे तो उसको मौका नहीं दे सकती हूँ। यह आदत सभी को लग जाएगी।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती रंजीत रंजन (सुपौल) : अध्यक्ष जी, मैंने आपको नोटिस दिया था और मैं आपसे मिली भी थी। ...(व्यवधान)

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया (गुना) : अध्यक्ष महोदय, रंजीत रंजन जी ने जनरल बजट के पहले क्वेश्चन ऑवर सस्पेंड करने के लिए आपको नोटिस दिया था। जब आपने आज उनको अलाऊ किया है तो इन्होंने भी आपको नोटिस दिया है, इसलिए आप इनको भी दो मिनट अलाऊ कर दें। आपकी बड़ी कृपा होगी। इन्होंने आपको क्वेश्चन ऑवर सस्पेंशन का नोटिस आपको दिया था। इनको थोड़ा मौका दिया जाए। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : वे उस समय बोल चुकी हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया : महोदया, उस समय आपने अलाऊ नहीं किया था तो ये नहीं बोली थीं। आपने कहा था कि मैं बजट के बाद मौका दूंगी। अब इनको थोड़ा मौका दिया जाना चाहिए। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : धर्मेंद्र जी, आप बैठ जाइए। बार-बार नहीं बोलते हैं। रंजीता जी आप बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती रंजीत रंजन : धन्यवाद अध्यक्ष जी, जनरल बजट से पहले ही हम लोगों ने यह मुद्दा उठाया था। ये सिर्फ हिंदी भाषी विद्यार्थियों का ही सवाल नहीं है, यह तमाम जो रीजनल लैंग्वेज के विद्यार्थी हैं, उनका सवाल है। उन्होंने अपनी मांग रखी थी कि डी.पी. अग्रवाल जी ने सन् 2008 में यूपीएससी में जो चेंजेस किया सी-सैट के पेपर में, उनकी डिमांड है कि प्रारंभिक परीक्षा, सी-सैट प्रणाली-दो

में जो पेपर है, क्योंकि वह मानविकी, गैर-तकनीकी छात्रों के प्रतिकूल नहीं है। यूपीएससी में आर्ट्स के, आईआईटी और मैनेजमेंट के स्टूडेंट्स के पेपर सी-सैट टू में सिलेबस चेंज कर दिया गया है। जो जी.के. का पेपर होता है, उसको एक्सैप्ट करने के बाद उन्होंने इंग्लिश कंप्रिहैंसिव का पेपर रीजनल और हिंदी भाषियों के लिए दिया है।

महोदया, मैं रिक्वेस्ट करूंगी कि एचआरडी मिनिस्टर उस काम्प्रिहेन्सिव को देखें। अगर आप अच्छे हिन्दी भाषी हैं, तब भी आप उसे नहीं समझ सकते हैं। उसमें मेंशन कर दिया गया है कि अगर हिन्दी में कोई गड़बड़ी है तो हम इंग्लिश को मान्य कर रहे हैं। जो रीजनल लैंग्वेज, हिन्दी भाषी या भारतीय भाषा के स्टूडेंट हैं, तो क्यों वे इंग्लिश को मान्य करेंगे? हिन्दी के आधार पर क्यों नहीं करेंगे? आप काम्प्रिहेन्सिव के एक बार क्वैश्चन पढ़ लीजिए, वे 38 क्वैश्चन हैं, मेन और पेपर टू में भी। जब वे हिन्दी समझ ही नहीं पाएंगे तो आंसर कैसे देंगे? उस बिहाफ में इंग्लिश वाले छात्र आगे चले जाते हैं। इसके कारण वर्ष 2008 में जो परसेंटेज 45 था, वह आज वर्ष 2013 में मात्र 2.6 रह गया है। उनका कहना है कि सी-सैट से काम्प्रिहेन्सिव को हटाया जाए। हिन्दी को किसी हिन्दी वाले से कराया जाए, जो इंटरव्यू होता है, उसे हिन्दी भाषी से कराया जाए, इंग्लिश भाषी से इंटरव्यू नहीं कराया जाए। यह उनकी डिमांड है। जो रीजनल हैं, वे इंग्लिश क्यों बोलेंगे?

माननीय अध्यक्ष : मिस्टर मिनिस्टर, अब आप बोलिये।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : हर बात का जवाब नहीं होता है। अब आप बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आइटम नम्बर 9, मिस्टर मिनिस्टर।

â€¦(व्यवधान)

श्री राजेश रंजन : महोदया, आप सरकार को निर्देश दें कि धरनारत छात्रों पर लाठीचार्ज न हो।...(व्यवधान)

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): महोदया, मेरा प्वाइंट ऑफ आर्डर है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : जगदम्बिका पाल जी, आप बैठिए। इस पर चर्चा नहीं होनी है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मंत्री जी, आप अपना रिप्लाई स्टार्ट करें।

â€¦(व्यवधान)